माध्यमिक अंग्रेज़ी

पाठ्य पुस्तक से परे संसाधनों का प्रयोग

भारत में विद्यालय आधारित समर्थन के माध्यम से शिक्षक शिक्षा

www.TESS-India.edu.in

http://creativecommons.org/licenses/

TESS-India (स्कूल–आधारित अनुसमर्थन के द्वारा अध्यापक शिक्षा) का उद्देश्य छात्र–केंद्रित, सहभागी संकल्पना के विकास के लिए शिक्षकों की सहायता के लिए मुक्त शिक्षा संसाधनों (OERs) के माध्यम से भारत में प्रारंभिक और माध्यमिक शिक्षकों की शिक्षण पद्धति में सुधार लाना। TESS-India OERs शिक्षकों को स्कूल की पाठ्यपुस्तक के लिए सहायक पुस्तिका प्रदान करते हैं। वे शिक्षकों के लिए अपनी कक्षाओं में अपने विद्यार्थियों के साथ प्रयोग करने के लिए गतिविधियाँ प्रदान करते हैं, जिनमें यह दर्शाने वाले वृत्त–अध्ययन भी शामिल रहते हैं कि अन्य शिक्षकों द्वारा उस विषय को कैसे पढ़ाया गया, और उनमें शिक्षकों के लिए अपनी पाठ योजनाएँ तैयार करने के लिए तथा विषय संबंधी ज्ञान के विकास में सहायक संसाधन भी जुड़े रहते हैं।

TESS-India OERs को भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल भारतीय तथा अंतर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार किया गया है और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट उपयोग के लिए उपलब्ध हैं (http://www.tess-india.edu.in/)। OERs भाग लेने वाले प्रत्येक भारतीय राज्य के लिए उपयुक्त, कई संस्करणों में उपलब्ध हैं और उपयोगकर्ताओं को इन्हें अपनाने तथा अपनी स्थानीय जरूरतों एवं संदर्भों की पूर्ति के लिए उनका अनुकूलन करने के लिए और स्थानीयकरण करने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

TESS-India मुक्त विश्वविद्यालय, ब्रिटेन के नेतृत्व में तथा ब्रिटेन की सरकार द्वारा वित्त-पोषित है।

वीडियो संसाधन

इस इकाई में कुछ गतिविधियों के साथ निम्नलिखित आइकॉन दिया गया है: 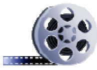. यह दर्शाता है कि आपको विशिष्ट शैक्षणिक थीम के लिए TESS-India के वीडियो संसाधनों को देखने में इससे मदद मिलेगी।

TESS-India के वीडियो संसाधन भारत में विभिन्न प्रकार की कक्षाओं के संदर्भ में प्रमुख शैक्षणिक तकनीकों का सचित्र वर्णन करते हैं। हमें उम्मीद है कि वे आपको इसी तरह के अभ्यासों के साथ प्रयोग करने के लिए प्रेरित करेंगे। इन्हें पाठ-आधारित इकाइयों के माध्यम से आपके कार्य अनुभव में इज़ाफ़ा करने और बढ़ाने के लिए रखा गया है, लेकिन अगर आप उन तक पहुँच बनाने में असमर्थ रहते हैं तो बता दें कि वे उनके साथ एकीकृत नहीं हैं।

TESS-India के वीडियो संसाधनों को TESS-India की वेबसाइट (http://www.tess-india.edu.in/) पर ऑनलाइन देखा सकता है या डाउनलोड किया जा सकता है) । विकल्प के तौर पर, आप इन वीडियो तक सीडी या मेमोरी कार्ड द्वारा भी पहुँच बना सकते हैं।

संस्करण 2.0 SE15v1
Uttar Pradesh

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है: http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/

TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

यह इकाई किस बारे में है

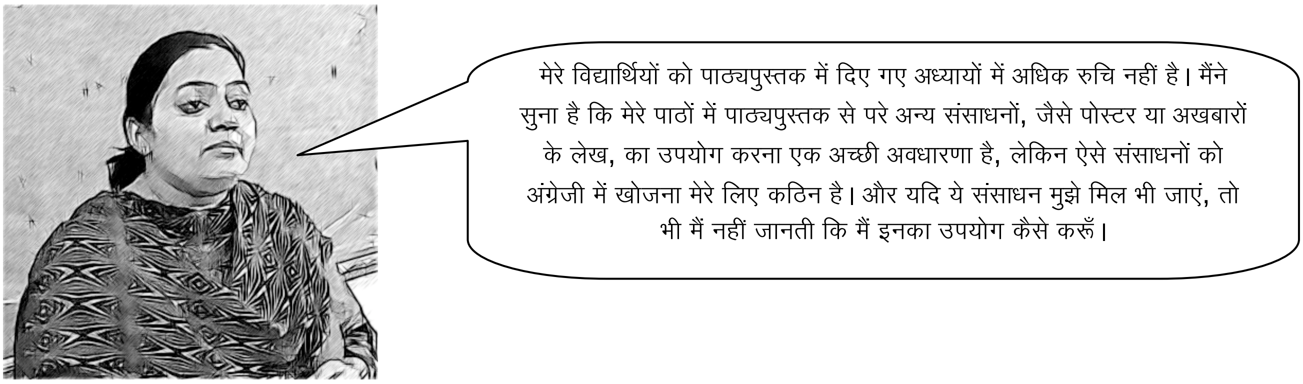

आपकी माध्यमिक अंग्रेजी पाठ्यपुस्तकें आपके अध्यापन के लिए उपयोगी संरचना और पाठ्यक्रम प्रदान करती हैं। उनमें विद्यार्थियों के लिए विविध प्रकार के पाठ होते हैं, जिनमें भारत और अन्य देशों के कई लेखकों द्वारा लिखे गए गद्य, नाटक और पद्य के अंश शामिल हैं। इन पाठ्यपुस्तकों से विद्यार्थी भाषा के उपयोग और शब्दावली की दृष्टि से कई बातें सीख सकते हैं, और वे आपकी शिक्षण प्रक्रिया के लिए एक बड़े संसाधन बन सकते हैं। तथापि, National Focus Group on [the] Teaching of English (NCERT, 2006) का कथन है कि 'curricular freedom cannot exist in the presence of a single prescribed text' (2006, p. 22)। यह अनुशंसा करता है कि उम्र में बड़े विद्यार्थियों के लिए रेडियो, पत्र-पत्रिकाओं या टेलिविजन की समाचार कहानियों जैसे संसाधनों का उपयोग किया जाय। शोध दर्शाता है कि पाठ्यपुस्तक से परे संसाधनों का बार-बार और प्रासंगिक उपयोग विद्यार्थियों में बेहतर सीखने की प्रक्रिया को बढ़ावा दे सकता है (Westbrook et al., 2013)।

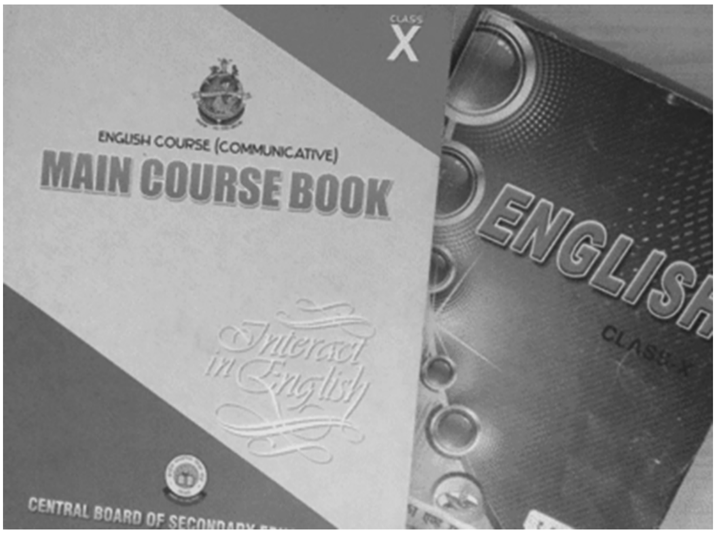

चित्र 1 पाठ्यपुस्तक से परे संसाधनों का उपयोग सीखने की प्रक्रिया को विद्यार्थियों के लिए परिचित और सार्थक बनाकर सीखने की गतिविधियों में प्रामाणिकता पैदा करने में मदद कर सकता है।

पाठ्यपुस्तक से परे संसाधन आपको विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को उनके अपने अनुभवों और समकालीन घटनाओं से जोड़ने में सक्षम बनाते हैं, और आपको विद्यार्थियों द्वारा कक्षा में लाई जा रही जानकारी का पता लगाने के अवसर प्रदान करते हैं। रेडियो, अखबार या टेलिविजन के संसाधन ऐसे विषय प्रदान करते हैं जो उस समय प्रासंगिक होते है। और विद्यार्थियों के लिए दिलचस्प हो सकते हैं। इन संसाधनों का उपयोग करते हुए सावधानी से नियोजित पाठ आपके विद्यार्थियों के आलोचनात्मक विचार कौशल को विकसित करने में सहायता कर सकते हैं।

पाठ्यपुस्तक से परे संसाधनों का उपयोग छात्रों को यह अनुभव करने का कि कक्षा के बाहर अंग्रेजी का उपयोग कैसे किया जाता है और प्रामाणिक समकालीन भाषा के संपर्क में आने का अवसर भी देता है। पाठ्यपुस्तक के अधिकांश उदाहरण प्रायः भाषा की पुरानी शैली में लिखे गए साहित्यिक स्रोतों से लिए जाते हैं। यही कारण है कि Position Paper of India's National Focus Group on [the] Teaching of English (NCERT, 2006, p. 14) कहता है कि विद्यार्थियों को 'authentic' पाठों **के** संपर्क में आने की भी जरूरत है जो विद्यार्थियों के लिए नहीं लिखे गए हैं, लेकिन सामान्य पाठकों और श्रोताओं के लिए हैं। इस तरह उनको उस भाषा में संवाद करने में मदद मिलेगी जिसका उपयोग भारत और अन्य देशों में कक्षा के पर्यावरण के बाहर किया जाता है।

यह इकाई आपको अपनी अंग्रेजी कक्षाओं में पाठ्यपुस्तक से परे संसाधनों का उपयोग करने के बारे में कुछ अवधारणाएं देती है। इन संसाधनों का महंगा होना या पूरी तरह से अंग्रेजी में होना जरूरी नहीं है। ये गतिविधियाँ अंग्रेजी कक्षा में सृजनशील और समकालीन विषय और भाषा लाने में, और विद्यार्थियों के लिए पढ़ाई को अधिक सार्थक बनाने में आपकी मदद करती है।

आप इस इकाई में क्या सीख सकते हैं

- पाठ्यपुस्तक से परे संसाधनों का उपयोग करने के लाभ।
- ऐसे संसाधन कैसे खोजें जिनका उपयोग आप अपनी कक्षा में कर सकते हैं।
- भाषा सीखने की प्रक्रिया का समर्थन करने के लिए चित्रों, समाचार कथाओं और टेलिविजन **श्रंखला** का उपयोग कैसे करें।

1 पाठ्यपुस्तक से परे संसाधनों का उपयोग करना

विचार के लिए रुकें

- अपने अध्यापन कार्य के लिए आप किन संसाधनों का उपयोग करते हैं?
- आप उन्हें क्यों चुनते हैं? वे कितने उपयोगी हैं?

हो सकता है आपने अपनी कक्षाओं में कई अलग-अलग संसाधनों का उपयोग नहीं किया है। इसके कई कारण हैं कि शिक्षक अपनी कक्षाओं में कई संसाधनों का उपयोग क्यों नहीं करते हैं। शिक्षकों के एक समूह ने कहा:

- 'अंग्रेजी संसाधन महंगे होते हैं और वे मुझे अपने स्कूल में सुलभ नहीं हैं।'
- 'अन्य संसाधन परीक्षाओं में विद्यार्थियों की मदद नहीं करते हैं।'
- 'मेरे पास अन्य संसाधनों का उपयोग करने के लिए समय नहीं है क्योंकि मुझे पाठ्यक्रम पूरा करना है।'
- 'मेरे विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तकों की अंग्रेजी के साथ कठिनाई होती है। वे अन्य अंग्रेजी संसाधनों को नहीं समझ पाएंगे।'

क्या आप इनमें से किसी कारण से सहमत हैं? क्या आप इस सूची में कुछ जोड़ सकते हैं?

अपने विद्यार्थियों की अंग्रेजी भाषा की पढ़ाई में सहायता करने के लिए आप पाठ्यपुस्तक से परे संसाधनों का उपयोग कर सकते हैं। इन संसाधनों का महंगा होना जरूरी नहीं है, और वे अन्य भाषाओं में हो सकते हैं, तथा आपके समुदाय में आसानी से सुलभ हैं।

गतिविधि 1 में, आप पाठ्यपुस्तक से परे संसाधनों के उन प्रकारों पर विचार करेंगे जिनका उपयोग आप अपनी अंग्रेजी कक्षाओं में कर सकते हैं।

वीडियो: स्थानीय संसाधनों का उपयोग करते हुए

गतिविधि 1: अपनी अंग्रेजी कक्षाओं में संसाधनों का उपयोग करना

हो सके तो अपने किसी सहकर्मी के साथ निम्न प्रश्नों पर चर्चा करें।

1. नीचे तालिका 1 में सूचीबद्ध संसाधनों को देखें। क्या ऐसे अन्य संसाधन हैं जिनका आप उपयोग करते हैं या उपयोग कर सकते हैं जो सूची में नहीं हैं? यदि हाँ, तो उन्हें तालिका में जोड़ें।
2. यदि आप और आपके विद्यार्थियों के लिए यह संसाधन उपलब्ध है तो कॉलम 'Available' में सही का निशान लगाएं। यदि आपको यह संसाधन अंग्रेजी में उपलब्ध है तो कॉलम 'Available in English' में सही का निशान लगाएं। यदि आपने अपनी कक्षा में कभी भी इस संसाधन का उपयोग किया है तो अंतिम कॉलम में सही का निशान लगाएं।

तालिका 1 *आपकी कक्षा में कौन से संसाधन उपलब्ध हैं?*

Resource	Available	Available in English	I have used
Library books			
Comics			
Pictures, photos or drawings			
Newspaper articles			
Magazines			
Sports reports			
Tourist information brochures			
Popular songs			
Radio programmes			
TV programmes			
Mobile phones			
Computers and the internet			

क्या ऐसे संसाधन हैं जो आपको सुलभ हैं लेकिन आप इस्तेमाल नहीं करते हैं? यह सूची भविष्य में संदर्भ के लिए रखें और हो सके तो कुछ महीनों बाद सूची की समीक्षा करके कक्षा में आपके द्वारा प्रयुक्त संसाधनों की श्रंखला के बारे में फिर से सोचें।

2 अंग्रेजी कक्षा में चित्रों का उपयोग करना

भाषा की कक्षा में चित्र मूल्यवान संसाधन होते हैं। उनका उपयोग किसी भी कक्षा में विविध तरीकों से किया जा सकता है। उनका अंग्रेजी भाषा के अखबारों, पत्रिकाओं या किताबों से लिया जाना जरूरी नहीं है।

आपके उपयोग के लिए उपयुक्त चित्रों में शामिल हैं:

- आप या आपके विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए रेखाचित्र
- किसी किताब, अखबार, पत्रिका या इंटरनेट से लिए गए चित्र या दृष्टांत
- पोस्टरों पर पाई जाने वाली छवियाँ जैसे फिल्म पोस्टर या किसी समारोह के बारे में पोस्टर

- विज्ञापन
- कैमरे या मोबाइल फोन से ली गई तस्वीरें।

आपके द्वारा एकत्र किए गए चित्रों को एक फाइल में रखें और समय बीतने के साथ एक संग्रह का निर्माण करें। अपने विद्यार्थियों से भी चित्र लाने को कहें। आप उनका उपयोग विभिन्न कक्षाओं में कर सकते हैं, और अन्य शिक्षकों के साथ साझा कर सकते हैं।

आप चित्रों को चार्ट पेपर पर भी चिपका सकते हैं और उन्हें कक्षा में प्रदर्शित कर सकते हैं।

गतिविधि 2: अंग्रेजी सीखने में सहायता के लिए चित्रों का उपयोग करना

ऐसी कई प्रकार की अंग्रेजी सीखने की गतिविधियाँ हैं जिन्हें चित्रों का उपयोग करके समृद्ध किया जा सकता है।

नीचे तालिका 2 में, शिक्षक वर्णन करते हैं कि सीखने की प्रेरणादायी गतिविधियाँ बनाने के लिए उन्होंने चित्रों का सृजनात्मक ढंग से कैसे उपयोग किया है। प्रत्येक गतिविधि में चित्र किस विशिष्ट प्रयोजन की पूर्ति कर सकते हैं? अपने विचार यहाँ लिखें। पहला विचार आपके लिए कर दिया गया है। इस गतिविधि के संभावित उत्तरों के लिए संसाधन 1 देखें।

तालिका 2 *अंग्रेजी सीखने में सहायता के लिए चित्रों का उपयोग करने के प्रयोजन को पहचानना।*

शिक्षक गतिविधि	प्रयोजन
मैं उस शब्दावली को समझाने के लिए बोर्ड पर चित्र बनाता हूँ जिसे विद्यार्थी नहीं जानते हैं।	चित्र नए शब्द और वाक्यांश सीखने और याद रखने में विद्यार्थियों की मदद करता है।
मैं पारंपरिक कहानी से संबंधित चित्र बनाता हूँ। जब मैं चित्र बनाता हूँ, तब विद्यार्थियों को अनुमान लगाना होता है कि कहानी क्या है, और फिर वे कहानी सुनाते हैं।	
मैं विद्यार्थियों से कहानी के साथ दिए गए चित्र को देखने के लिए कहता हूँ (पाठ्यपुस्तक, अखबार या पत्रिका में)। मैं उनसे कहता हूँ: 'What can you see in the picture?' और फिर वे जो कुछ देख सकते हैं उसका वर्णन करने के लिए जितनी संभव हो उतनी अंग्रेजी का उपयोग करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करता हूँ। फिर मैं पूछता हूँ, 'From this picture can you guess what the text might be about?'	
मैं अखबारों और पत्रिकाओं से चित्र काट कर निकालता हूँ। मैं चित्र का वर्णन करता हूँ और अपने विद्यार्थियों से उसे बनाने को कहता हूँ।	
मैं किसी समूह के एक विद्यार्थी को एक चित्र देता हूँ, जो उसका वर्णन शेष समूह को करता है। अन्य विद्यार्थियों को चित्र को देखे बिना उसे बनाना होता है।	
मैं विद्यार्थियों को चार या पाँच के समूहों में काम करने को कहता हूँ। मैं प्रत्येक समूह को एक अलग चित्र देता हूँ और उनसे अपने चित्र का वर्णन करते हुए एक अनुच्छेद (या कुछ शब्द) लिखने को कहता हूँ। फिर मैं सभी चित्रों को कक्षा के सामने प्रदर्शित करता हूँ। मैं हर समूह से एक विद्यार्थी को उनका अनुच्छेद पढ़कर सुनाने को कहता हूँ। अन्य विद्यार्थियों को अनुमान करना होता है कि वह अनुच्छेद किस चित्र का वर्णन करता है।	

अब तालिका 2 की गतिविधियों में से एक को चुनें और अपने विद्यार्थियों के साथ इसे आजमाएं।

विचार के लिए रुकें

यहाँ इस गतिविधि को आजमाने के बाद आपके विचार करने के लिए कुछ प्रश्न दिए गए हैं। यदि संभव हो, तो इन प्रश्नों की चर्चा किसी सहकर्मी के साथ करें।

- पाठ कैसा रहा?
- क्या आपको प्रेरित करना पड़ा या किसी बिंदु पर विद्यार्थियों के साथ हस्तक्षेप करना पड़ा?
- अगली बार इस गतिविधि का उपयोग करते समय आप क्या बदलेंगे?

पाठ्यपुस्तक में दिए गए चित्रों का भरपूर लाभ उठाना सुनिश्चित करें। आप अंग्रेजी पढ़ाने के लिए चित्रों का उपयोग करने के लिए अधिक अवधारणाओं वाले संसाधनों के लिए लिंक्स संसाधन 2 में पा सकते हैं।

3 अंग्रेजी कक्षा में खबरों की कहानियों का उपयोग करना

अखबार और पत्रिकाएं कक्षा में बहुत उपयोगी संसाधन सिद्ध हो सकते हैं, उनमें प्रयुक्त भाषा चाहे जो हो। ऐसा इसलिए है क्योंकि:

- इनकी विषय-वस्तु के सामान्य पाठ्यपुस्तक की सामग्री से अधिक ताज़ा और आपके विद्यार्थियों के लिए दिलचस्प होने की संभावना होती है।
- वे आसानी से उपलब्ध हैं और समुचित रूप से सस्ते हैं।
- उनमें विभिन्न प्रकार की सामग्री होती है – विज्ञापन, तस्वीरें और अन्य छवियाँ, सुर्खियाँ, पत्र, कहानियाँ, और कई विभिन्न विषयों पर लेख।
- वे विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तक की तुलना में अलग तरह की भाषा और (यदि वे अंग्रेजी में हैं तो) 'असली' या 'वास्तविक' अंग्रेजी के संपर्क में लाते हैं – यानी वह अंग्रेजी जिसे खास तौर पर भाषा सीखने वालों के लिए नहीं लिखा गया है।

चित्र 2 अपनी कक्षा में अंग्रेजी पढ़ाने के लिए आप समाचार कहानियों का उपयोग भी कर सकते हैं।

केस स्टडी 1: सुश्री हलीमा अपनी अंग्रेजी कक्षा में स्थानीय समाचार कहानी का उपयोग करती हैं

सुश्री हलीमा कक्षा 10 को अंग्रेजी पढ़ाती हैं। हाल के एक प्रशिक्षण सत्र में उन्होंने कक्षा में संसाधनों का उपयोग करने के बारे में अधिक जाना, जैसे रेडियो, टेलिविजन और अखबार। इस कक्षा में, वे एक अंग्रेजी चर्चा के लिए एक स्थानीय समाचार कहानी का उपयोग संकेत के रूप में करती हैं।

मैं एक कम सुविधायुक्त ग्रामीण स्कूल में पढ़ाती हूँ, इसलिए मेरे लिए कक्षा में रेडियो या टेलिविजन का उपयोग करना कठिन है और अंग्रेजी भाषा का अखबार पाना साधारण तौर पर आसान नहीं है। जब मैं प्रशिक्षण सत्र में थी, मैं बस इतना ही सोच रही थी कि मेरे लिए अंग्रेजी में संसाधन जुटाना कितना कठिन था, हालांकि मुझे लगता था कि मैं यदि उनका उपयोग करूँ तो कदाचित मेरे विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा।

लेकिन तभी हमारे इलाके में एक घटना घटी जिसके बारे में हर कोई बात कर रहा था, और स्थानीय अखबारों में उसके बारे में कई कहानियाँ छपीं। आस-पास

के जंगलों से एक चीता पड़ोस के गाँव में घुस आया था। गाँव वाले परेशान और डरे हुए थे, और उनमें से एक ने चीते को मार डाला था।

विद्यार्थियों को इस कहानी में बहुत दिलचस्पी हुई, और मैंने उन्हें कक्षा से पहले इसके बारे में बातचीत करते सुना। मैंने सोचा कि अंग्रेजी पाठों के लिए इस दिलचस्पी को ग्रहण करना उपयोगी होगा। मैंने इसके बारे में एक अखबार के लेख का उपयोग करने का निश्चय किया, हालांकि वह असमिया में था। मैं इसके बारे में अंग्रेजी में पूछ सकती थी, और वह अन्य अंग्रेजी गतिविधियों के लिए प्रोत्साहन प्रदान कर सकता था।

मैंने उस घटना के बारे में एक लघु लेख की तलाश की और उसे कक्षा में ले आई। मैंने अपने विद्यार्थियों से कहा कि हम स्थानीय समुदाय में वर्तमान में घटी एक घटना पर चर्चा करने जा रहे हैं। मैंने अपने एक विद्यार्थी से कहानी को जोर से पढ़कर सारी कक्षा को सुनाने को कहा। फिर मैंने अपने विद्यार्थियों से, अंग्रेजी में पूछा, ‘Can you tell me what the article is about?’

मैंने प्रतीक्षा की लेकिन कक्षा चुप रही। अंततः, राजेश ने असमिया में कहा: ‘Madam, it is about how humans and animals have conflicts.’

तो मैंने जवाब में कहा: ‘Good, that’s right. Can anyone help Rajesh say this in English?’ मैंने विद्यार्थियों से मुझे ‘मनुष्यों’, ‘पशुओं’ और ‘संघर्षों’ के लिए अंग्रेजी शब्द बताने को कहा, और अंततः किसी ने कहा, ‘Its about animals and human fighting.’

फिर मैंने बोर्ड पर अंग्रेजी में कुछ प्रश्न लिखे जो मैंने कक्षा से पहले तैयार किए थे। इन प्रश्नों का उद्देश्य मेरे विद्यार्थियों के बीच चर्चा छेड़ना था। उनके लिए कोई सही या गलत उत्तर नहीं हैं।

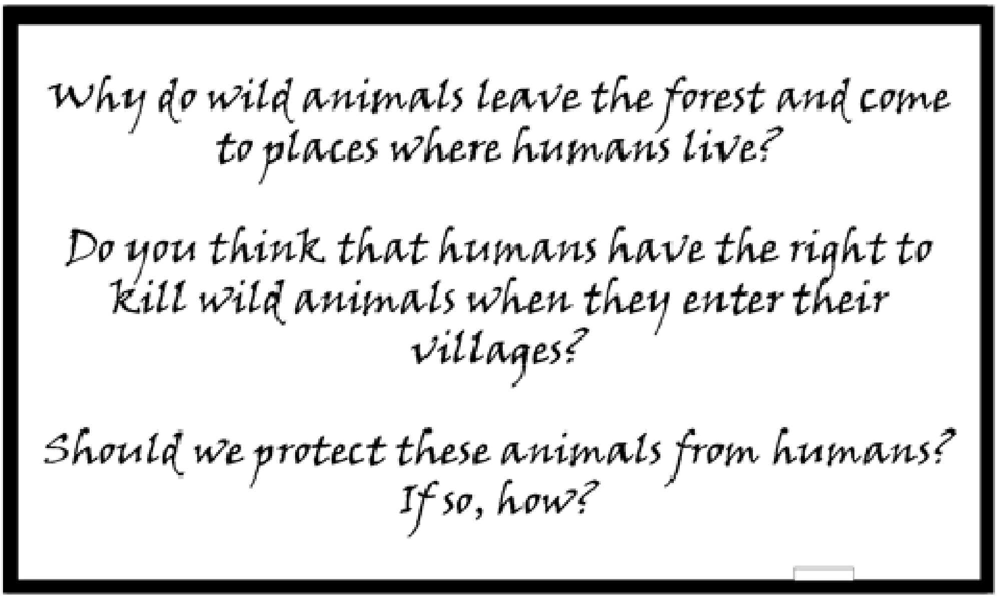

मैंने अनुवाद पूछकर सुनिश्चित किया कि विद्यार्थियों ने प्रश्नों को समझ लिया था।

मैंने अपने विद्यार्थियों को चार के समूहों में रखा और प्रत्येक समूह से उनकी अवधारणाओं के नोट्स बनाने के लिए एक सेक्रेटरी चुनने को कहा। मैंने हर समूह से बोर्ड पर लिखे प्रश्नों की चर्चा करने और मिलकर एक उत्तर निश्चित करने को कहा। फिर उन्हें अपनी राय कक्षा के सामने प्रस्तुत करनी थी। मैंने गतिविधि करने के लिए उन्हें दस मिनट दिए।

जब विद्यार्थी प्रश्नों पर चर्चा कर रहे थे, तब मैं कक्षा में घूमती रही और वे जो कुछ कह रहे थे वह सब सुना। शुरू में उन्होंने अपने घर की भाषा में बात की, लेकिन जब उन्होंने योजना बनाई कि वे कक्षा से क्या कहेंगे तब वे अंग्रेजी में बोलने लगे। मैंने कुछ समूहों को काम करते समय भाषा संबंधी सहायता प्रदान की, अंजानी शब्दावली वाले शब्दों के साथ मदद की और उन्हें भूत काल का उपयोग करने की याद दिलाई।

दस मिनट बाद, मैंने समूहों के सेक्रेटरी से उनके समूह की राय प्रस्तुत करने को कहा। मैंने प्रत्येक समूह से तीन प्रश्नों में से केवल एक का उत्तर देने को कहा, क्योंकि उनमें से हर एक को करने में उन्हें बहुत समय लग जाता, और विद्यार्थी दिलचस्पी खो सकते थे।

विद्यार्थियों के पास इस गतिविधि के बारे में कहने के लिए काफी अधिक था क्योंकि यह वह कहानी थी जिसमें उन्हें दिलचस्पी थी, इसलिए उनके द्वारा चर्चा करने के लिए मैं अधिक रोचक और प्रासंगिक समाचार कहानियाँ खोजने का प्रयास कर रही हूँ। मैं नहीं चाहती थी कि यह गतिविधि कक्षा का सारा समय ले ले, किंतु अगली बार मैं इसे अधिक लंबा बना सकती हूँ। उदाहरण के लिए, चर्चा के बाद वे अपनी अवधारणाएं एक अनुच्छेद में लिख सकते थे। हो सकता है अगली बार जब हम किसी समाचार कहानी पर चर्चा करेंगे तब मैं ऐसा करूँगी।

विचार के लिए रुकें

यहाँ इस गतिविधि को आजमाने के बाद आपके विचार करने के लिए कुछ प्रश्न दिए गए हैं। यदि संभव हो, तो इन प्रश्नों की चर्चा किसी सहकर्मी के साथ करें।

- आपके खयाल से इस शिक्षिका ने कैसे सुनिश्चित किया कि सभी विद्यार्थी गतिविधि में भाग लें?
- आपके विचार से विद्यार्थियों ने इस गतिविधि में क्या सीखा?
- शिक्षिका ने उनके सीखने का आकलन कैसे किया?

गतिविधि 3: अपनी कक्षा में किसी समाचार कहानी का उपयोग करना

केस स्टडी 1 में, शिक्षक ने एक स्थानीय समाचार कहानी का उपयोग एक गतिविधि के लिए उद्दीपन के रूप में किया। उन्होंने जो कहानी चुनी वह उपयोगी थी क्योंकि वह एक ऐसे समकालीन मुद्दे के बारे में थी जो प्रासंगिक था और उनके विद्यार्थियों के लिए सार्थक था। समाचार कहानी के बारे में शिक्षक द्वारा पूछे गए प्रश्नों ने विद्यार्थियों को उस मुद्दे के बारे में आलोचनात्मक ढंग से सोचने के लिए प्रोत्साहित किया।

अपनी कक्षा में निम्नलिखित गतिविधि आजमाने से पहले संभावित समाचार कहानियों और प्रश्नों के बारे में आगे की अवधारणाओं के लिए देखें संसाधन 3:

1. ऐसी कोई समाचार कहानी खोजें जिसे आपके विचार से आपके विद्यार्थी दिलचस्प पाएंगे और जिसके बारे में राय देंगे। यह कहानी अंग्रेजी में हो सकती है, लेकिन यह हिंदी या किसी अन्य भाषा में भी हो सकती है।
2. कक्षा से पहले, कहानी के विषय के बारे में प्रश्नों पर विचार करें, न कि उसके विवरणों पर। ये प्रश्न आपके विद्यार्थियों को अपनी रायें व्यक्त करने को प्रोत्साहित करने वाले होने चाहिए। उदाहरण के लिए, यदि कहानी किसी रेल दुर्घटना के बारे में है, तो प्रश्न सुरक्षित यात्रा के लिए निजी और सार्वजनिक दायित्वों के बारे में हो सकते हैं।
3. कहानी को कक्षा में ले जाएं और अपने किसी विद्यार्थी को उसे जोर से पढ़कर सुनाने को कहें।
4. अपने विद्यार्थियों से कहानी के बारे में कुछ प्रश्न पूछकर सुनिश्चित करें कि उन्होंने उसे समझ लिया है और मुख्य शब्दावली से परिचित हैं।
5. कहानी के बारे में अपने तैयार किए गए प्रश्नों को बोर्ड पर लिखें।
6. प्रश्नों पर चर्चा करने और अपने विचारों को अंग्रेजी में नोट करने के लिए दस मिनट देते हुए, विद्यार्थियों को चार या पाँच के समूहों में संगठित करें। प्रत्येक समूह नोट्स लेने के लिए एक सेक्रेटरी चुनता है। इस बारे में अधिक जानने के लिए संसाधन 4, 'समूहकार्य का उपयोग करना' देखें।
7. कमरे में चारों तरफ घूमें और जहाँ आवश्यक हो विद्यार्थियों की सहायता करें, और जहाँ संभव हो वहाँ अंग्रेजी का उपयोग करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करें।
8. दस मिनट बाद, प्रत्येक समूह के सेक्रेटरी से प्रश्नों में से एक का उत्तर देने को कहें।

वीडियो: समूहकार्य का उपयोग करना

विचार के लिए रुकें

यहाँ इस गतिविधि को आजमाने के बाद आपके विचार करने के लिए कुछ प्रश्न दिए गए हैं। यदि संभव हो, तो इन प्रश्नों की चर्चा किसी सहकर्मी के साथ करें।

- क्या आपके विद्यार्थियों को आपके द्वारा चुनी गई कहानी में दिलचस्पी थी? क्या उन्होंने अलग-अलग राय दीं? यदि नहीं, तो भविष्य में अपनी राय को व्यक्त करने के लिए आप उन्हें कैसे प्रोत्साहित करेंगे?
- केस स्टडी की गतिविधि अधिकांशतः बोलने की गतिविधि है। क्या आप इसे विस्तार देकर लेखन गतिविधि में बदलने के लिए विचार कर सकते हैं?

यदि आपके विद्यार्थी आलोचनात्मक ढंग से सोचने और अपनी राय व्यक्त करने के आदी नहीं हैं, तो उन्हें ऐसा करने के लिए आत्मविश्वास विकसित करने में कुछ समय लग सकता है, इसलिए इस प्रकार की गतिविधियाँ नियमित रूप से करना महत्वपूर्ण है। उनकी दिलचस्पी बनाए रखने के लिए, ऐसी कहानियाँ चुनें जो

आपके विचार से उनके लिए प्रासंगिक हैं। उनसे पूछें कि क्या ऐसा कोई विषय है जिस पर वे कक्षा में चर्चा करना चाहते हैं, या उनसे कोई समाचार कहानी लाने को कहें। (अंग्रेजी कक्षा में अखबारों का उपयोग करने के बारे में अधिक जानकारी और ऑनलाइन अखबार के लिंक्स के लिए देखें संसाधन 5।)

इस बोलने की गतिविधि के बाद आप लेखन गतिविधि कर सकते हैं, जहाँ विद्यार्थी उनके स्तर के अनुसार कहानी के बारे में अपनी राय को एक अनुच्छेद या निबंध में लिख सकते हैं। विद्यार्थियों की उनके लेखन में सहायता करने के लिए मॉडल पाठ प्रदान करने के बारे में अवधारणाओं के लिए और स्वतंत्र रूप से लिखने में विद्यार्थियों की मदद करने के लिए इकाई 'समग्र कक्षा लेखन क्रियाकलाप' देखें। उनके द्वारा की जा सकने वाली एक संभव दीर्घावधि लेखन परियोजना कक्षा (या स्कूल) का अखबार तैयार करना है– अवधारणाओं के लिए देखें संसाधन 6।

4 अंग्रेजी कक्षा में टेलिविजन सिरीज का उपयोग करना

इन दिनों कई लोगों के घरों में टेलिविजन हैं, इसलिए टेलिविजन कार्यक्रम एक संसाधन हैं जो आपके कई विद्यार्थियों को सुलभ हैं। हालांकि हो सकता है आप अपनी कक्षा में टेलिविजन का उपयोग नहीं कर पाएं, आप अपने विद्यार्थियों द्वारा देखे गए नाटकों या समाचार कहानियों का उपयोग अपनी कक्षा में बोलने और लिखने की गतिविधियों के लिए आधार के रूप में कर सकते हैं। भारत में कई अंग्रेजी भाषा की फिल्में, टेलिविजन शो, कार्टून चैनल और समाचार चैनल उपलब्ध हैं जिन्हें आपके विद्यार्थी देख सकते हैं। जिन टेलीविजन कार्यक्रमों में आपके विद्यार्थियों को दिलचस्पी है और जिनके देखे जाने की अधिक संभावना है उन्हें चुनने से अंग्रेजी कक्षाओं में बोलने और लिखने की उनकी प्रेरणा में वृद्धि होगी।

केस स्टडी 2: श्री शर्मा एक अंग्रेजी कक्षा में लेखन गतिविधि के लिए प्रेरणा के रूप में एक स्थानीय टीवी सिरीज का उपयोग करते हैं

श्री शर्मा के कक्षा 10 के छात्र, सामान्यतः सिरीज मालगुडी डेज़ से परिचित हैं। वे इसका उपयोग लेखन गतिविधि के लिए आधार के रूप में करते हैं। वे ऐसी किसी चीज के बारे में लिखने के लिए बहुत उत्सुक हैं जिससे वे परिचित हैं और आनंदित होते हैं।

टीवी सिरीज *मालगुडी डेज़* (आर.के. नारायण द्वारा लिखित कहानियों पर आधारित) फिर से प्रसारित की जा रही थी, और मुझे पता था कि मेरे अधिकांश विद्यार्थी उसे देखते हैं। चूंकि हर कोई उसके बारे में बात कर रहा था, मैंने सोचा मेरी अंग्रेजी कक्षा में चर्चा के लिए यह एक अच्छा आधार होगा। कार्यक्रम को कक्षा में दिखाना संभव नहीं था, लेकिन मैंने महसूस किया कि मेरे अधिकांश विद्यार्थी तो उस कार्यक्रम को घर पर वैसे भी देख ही रहे हैं – और हम कार्यक्रम पर बाद में कक्षा में चर्चा कर सकते हैं।

एक अध्याय के अंत में मैंने अपने विद्यार्थियों से *मालगुडी डेज़* के अगले प्रकरण (एपीसोड) को देखने को कहा, और बोर्ड पर समय तथा चैनल के बारे में एक नोट लिखा। मैंने सुझाया कि जिन लोगों के पास टेलिविजन नहीं है वे उसे किसी पड़ोसी के घर पर या आसपास कहीं देख सकते हैं। अगले पाठ तक उनमें से अधिकांश ने वह प्रकरण देख लिया था, और वे उसके बारे में जोश के साथ बात कर रहे थे। मैंने विद्यार्थियों को चार के समूहों में संगठित किया और उनसे जल्दी से चर्चा करने को कहा कि उस प्रकरण में क्या हुआ था, क्योंकि उनमें से कुछ उसे नहीं देख सके थे।

मैंने अपने विद्यार्थियों से मालगुडी के कल्पित गाँव में रहने वाले किरदारों में से कुछ का नाम बताने को कहा। मैंने वह सूची बोर्ड पर लिखी और प्रत्येक समूह से गाँव के एक अलग किरदार को चुनने को कहा। हर समूह द्वारा एक किरदार को चुन लेने पर, मैंने उनसे कहा कि मान लें कि वे एक टेलिविजन कंपनी के कथालेखक हैं और उन्हें एक ऐसा प्रकरण लिखना है जिसमें इस किरदार की प्रमुख भूमिका हो। यह प्रकरण उनके द्वारा देखे गए पिछले प्रकरण पर आधारित हो सकता है, या वे अपना कोई भावी प्रकरण सोच सकते हैं। मैंने उन्हें बताया कि उन्हें प्रकरण की कहानी लिखने की जरूरत नहीं है, केवल कथानक लिखना है। मैंने अपने द्वारा लिखा एक उदाहरण पढ़कर सुनाया।

> Thanappa is the village mailman who knows everyone and knows everyone's business from reading out to the recipients the mail he delivers. He is good friends with Ramanujam and watches his daughter Kamakshi grow up. When Kamakshi is old enough, Thanappa helps the family find a suitable husband for her. The man and Kamakshi like each other, and their wedding is arranged for the last day before the man leaves for army. If the wedding isn't held by that date, it won't take place at all. Two days before the wedding, Thanappa is given an urgent letter to deliver to Ramanujam informing him of his brother's serious illness. Thanappa goes to the house, but decides not to deliver the letter because everyone is so happy about the wedding. The wedding goes ahead. Two days later Thanappa delivers the bad news to Ramanujam, with his sincere apologies.

मैंने विद्यार्थियों से पूछा कि क्या उन्होंने देखा कि मैंने सारे उदाहरण में present tenseका उपयोग कैसे किया था। मैंने सबसे पहले मुख्य किरदार का वर्णन किया। फिर मैंने कहानी समझाई। मैंने उन्हें बताया कि मैंने सरल वाक्यों में लिखने का प्रयास किया। उन्हें उसी संरचना का अनुसरण करना चाहिए।

मैंने उस किरदार के प्रकरण में जो कुछ हुआ था उसे समझाते हुए अंग्रेजी में एक या दो अनुच्छेद लिखने के लिए अपने विद्यार्थियों को 12 मिनट दिए। उनके द्वारा अपने कथानक लिख लेने के बाद, मैंने प्रत्येक समूह से सारी कक्षा को अपनी कहानी पढ़कर सुनाने को कहा। उन्हें एक दूसरे की कहानियाँ सुनकर मज़ा आया।

विद्यार्थी अपने पसंदीदा टेलिविजन कार्यक्रमों में से एक के बारे में बात करने के बारे में इतने रोमांचित थे। मुझे अक्सर ऐसा लगता है कि उन्हें लेखन गतिविधियाँ पसंद नहीं हैं, लेकिन इस बार वे अपने विचार प्रकट करने के लिए बहुत प्रेरित थे। मुझे नहीं लगता कि उन्हें पता भी लगा कि वे अंग्रेजी सीख रहे हैं और उसका अभ्यास कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें एक दूसरे की कहानियों में इतनी दिलचस्पी थी!

गतिविधि 4: अंग्रेजी में लेखन गतिविधि के लिए आधार के तौर पर लोकप्रिय टीवी सिरीज का उपयोग करना

अपनी कक्षा में अगली गतिविधि आजमाएं:

1. पता लगाएं कि आपके विद्यार्थी कौन सी टीवी सिरीज देखना पसंद करते हैं, और हो सके तो उनसे घर पर एक प्रकरण देखने को कहें। यदि किसी विद्यार्थी के घर टेलीविजन नहीं हैं, तो देखें कि क्या कोई तरीका है जिससे वे अन्यत्र कहीं वह प्रकरण देख सकते हैं।
2. कक्षा में, अपने विद्यार्थियों को चार या पाँच के समूहों में रखें और उनसे देखे गए पिछले प्रकरण में जो कुछ हुआ था उस पर संक्षेप में चर्चा करने को कहें। इससे उन्हें कार्यक्रम को याद करने में मदद मिलती है, और यह सुनिश्चित होता है कि यदि किसी ने कार्यक्रम नहीं देखा है वह समझ सकता है कि क्या हो रहा है।
3. अपने विद्यार्थियों से कहें कि उन्हें यह बताना है कि अगले प्रकरण में क्या होने वाला है। प्रत्येक समूह को इस प्रकरण के लिए प्लॉट का विवरण अंग्रेजी में लिखना चाहिए। उन्हें एक समय सीमा दें।
4. उन्हें कथानक का एक उदाहरण दें।
5. समझाएं कि उन्हे सबसे पहले किरदार का वर्णन करना चाहिए। फिर उन्हें प्लॉट का वर्णन करना चाहिए। उनसे वर्तमान काल का उपयोग करने और अपने वाक्यों को छोटा और सरल रखने के कहें।
6. जब समय समाप्त हो जाय, तब हर समूह से अपना कथानक शेष कक्षा को सुनाने को कहें।
7. वे ध्यान से सुनें इसके लिए, विद्यार्थियों से वोट करने को कहें कि उन्हें कौन सा कथानक सर्वाधिक पसंद आया है।

विचार के लिए रुकें

इस गतिविधि को अपने विद्यार्थियों के साथ आजमाने के बाद, निम्नलिखित प्रश्नों के बारे में सोचें:

- आपके विद्यार्थियों ने किस प्रकार के प्लॉट के कथानक लिखे? क्या आपको उनकी कल्पना और सृजनात्मकता पर अचरज हुआ?
- क्या आपके सभी विद्यार्थियों ने भाग लिया? यदि नहीं, तो क्या आप गतिविधि को संशोधित करके उसे हर एक के लिए सुलभ बना सकते हैं?
- क्या आप यह गतिविधि अन्य प्रकार के टीवी या रेडियो कार्यक्रमों के साथ कर सकते हैं?

यदि आपको विद्यार्थियों ने इस गतिविधि का आनंद उठाया, और वे नाटक में बहुत दिलचस्पी रखते लगते हैं, तो आप उन्हें टीवी कथानक बनाने की किसी परियोजना में शामिल कर सकते हैं (देखें संसाधन 7)।

आप अपने विद्यार्थियों द्वारा संभवतः देखी फिल्मों पर आधारित है, या टेलीविजन की समाचार कहानियों आदि के बारे में बोलने और लिखने की गतिविधियाँ कर सकते है। अंग्रेजी अध्यापन के लिए संसाधन के रूप में टेलिविजन का उपयोग करने के लिए अधिक अवधारणाओं हेतु देखें संसाधन 8। आप यह गतिविधि किसी भी रेडियो कार्यक्रम के साथ भी कर सकते हैं जो आपके स्थानीय क्षेत्र में लोकप्रिय और उपलब्ध है (अवधारणाओं के लिए देखें संसाधन 9)।

5 सारांश

आपकी अंग्रेजी पाठ्यपुस्तक आपकी कक्षा के अध्यापन में सबसे महत्वपूर्ण होती है, लेकिन अन्य संसाधनों का सृजनात्मक ढंग से उपयोग विद्यार्थियों को अंग्रेजी में अधिक बोलने और लिखने के लिए प्रेरित कर सकता है क्योंकि वे आपकी कक्षा के बाहर घट रही जानी-पहचानी घटनाओं से संबंधित होते हैं। आपकी अंग्रेजी कक्षा में बोलने और लिखने की सार्थक गतिविधियों के लिए चित्रों, समाचार कहानियों और टेलिविजन कार्यक्रमों का उपयोग प्रेरक सामग्रियों के रूप में किया जा सकता है। इन संसाधनों का महंगा होना या यहाँ तक कि सभी का अंग्रेजी में होना आवश्यक नहीं है, और उनमें से अधिकांश संभवतः आपके समुदाय में उपलब्ध होते हैं।

इस विषय पर अन्य माध्यमिक अंग्रेजी शिक्षक विकास इकाइयाँ ये हैं:

- *अंग्रेजी पढ़ाने के लिए स्थानीय संसाधन।*
- *सक्रिय अंग्रेजी व्याकरण*

संसाधन

संसाधन 1: गतिविधि 2 के संभावित उत्तर

तालिका R1.1 *गतिविधि 2 के संभावित उत्तर।*

शिक्षक गतिविधि	प्रयोजन
मैं उस शब्दावली को समझाने के लिए बोर्ड पर चित्र बनाती हूँ जिसे विद्यार्थी नहीं जानते हैं।	चित्र नए शब्द और वाक्यांश सीखने और याद रखने में विद्यार्थियों की मदद करता है।
मैं पारंपरिक कहानी से संबंधित चित्र बनाती हूँ। जब मैं चित्र बनाता हूँ, तब विद्यार्थियों को अनुमान लगाना होता है कि कहानी क्या है, और फिर वे कहानी सुनाते हैं।	यह चित्र बोलने की गतिविधि के लिए प्रेरणा प्रदान करता है।
मैं विद्यार्थियों से कहानी के साथ दिए गए चित्र को देखने के कहती हूँ (पाठ्यपुस्तक, अखबार या पत्रिका में)। मैं उनसे कहता हूँ: ‘What can you see in the picture?’ और फिर उन्हें जो वे देख सकते हैं उसका वर्णन करने के लिए जितनी संभव हो सके उतनी अंग्रेजी का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करें। फिर मैं पूछती हूँ, 'From this picture can you guess what the text might be about?’	यह चित्र पठन गतिविधि के लिए तैयारी करने में विद्यार्थियों की मदद करता है।
मैं अखबारों और पत्रिकाओं से चित्र काट कर निकालती हूँ। मैं चित्र का वर्णन करता हूँ और अपने विद्यार्थियों से उसे बनाने को कहतीहूँ।	इस चित्र का उपयोग सुनने की गतिविधि के लिए किया जाता है।
मैं किसी समूह के एक विद्यार्थी को एक चित्र देती हूँ, जो उसका वर्णन शेष समूह को करता है। अन्य विद्यार्थियों को चित्र को देखे बिना उसे बनाना होता है।	इस चित्र का उपयोग सुनने और बोलने की गतिविधि के लिए किया जाता है।
मैं विद्यार्थियों को चार या पाँच के समूहों में काम करने को कहती हूँ। मैं प्रत्येक समूह को एक अलग चित्र देती हूँ और उनसे अपने चित्र का वर्णन करते हुए एक अनुच्छेद (या कुछ शब्द) लिखने को कहती हूँ। फिर मैं सभी चित्रों को कक्षा के सामने प्रदर्शित करती हूँ। मैं हर समूह से एक विद्यार्थी को उनका अनुच्छेद पढ़कर सुनाने को कहती हूँ। अन्य विद्यार्थियों को अनुमान करना होता है कि वह अनुच्छेद किस चित्र का वर्णन करता है।	इस चित्र का उपयोग लिखने, बोलने और सुनने की गतिविधि के लिए किया जाता है।

संसाधन 2: अंग्रेजी कक्षा में चित्रों का उपयोग करना

आपकी कक्षा में चित्र बनाने में मदद के लिए:

- 'ब्लैकबोर्ड पर चित्र बनाने के लिए शिक्षक की मार्गदर्शिका': http://www.kau.edu.sa/GetFile.aspx?id=171130&fn=BLACKBOARD%20DRAWING.pdf
- 'जानवरों के चित्र कैसे बनाएं': http://www.teachingenglish.org.uk/tips/how-draw-animals
- 'बिल्लियों, कुत्तों और पक्षियों के चित्र कैसे बनाएं': http://www.teachingenglish.org.uk/tips/how-draw-cats-dogs-birds

यहाँ अंग्रेजी शिक्षकों के लिए उपयोगी चित्रों के लिए कुछ लिंक्स दिए गए हैं:

- 'eltpics Flickr photostream': http://www.flickr.com/photos/eltpics
- 'चित्रों में': http://www.theguardian.com/inpictures
- 'चित्रों में': http://www.bbc.co.uk/news/in_pictures/

फ्लैशकार्ड शब्दों या वस्तुओं के चित्र होते हैं। वे निम्नतर स्तर के विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से उपयोगी होते हैं:

- मुफ्त ईएसएल फ्लैशकार्ड: http://www.eslflashcards.com/

संसाधन 3: समाचार कहानियाँ

यहाँ समाचार कहानी के दो अन्य संभव प्रकार प्रस्तुत हैं जो विषय के बारे में सोचने और रायें व्यक्त करने में आपके विद्यार्थियों को प्रोत्साहित कर सकते हैं:

- वर्षो तक उपयोग न किए जाने के बाद तमिल नाडु के कुडनकुलम परमाणु संयंत्र द्वारा फिर से बिजली उत्पन्न करने के बारे में एक कहानी।
- एक नई बस्ती शुरू करने के लिए करीब 20,000 भारतीयों द्वारा मंगल ग्रह के लिए एक-तरफा यात्रा के लिए आवेदन करने के बारे में एक कहानी।

यहाँ विद्यार्थियों के लिए सुझाए गए कुछ प्रश्न उपलब्ध हैं। ध्यान दें कि वे न केवल कहानी की विषय-वस्तुओं के बारे में हैं, बल्कि विद्यार्थियों को आलोचनात्मक ढंग से सोचने और राय व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

समाचार कहानी 1

- क्या परमाणु बिजली 'सुरक्षित और निरापद' हो सकती है?
- क्या भारत के कल्याण और आर्थिक उन्नति के लिए परमाणु बिजली जरूरी है?
- परमाणु कंपनियाँ कहती हैं कि दुर्घटना होने पर वे बड़ी रकम का भुगतान करेंगी। क्या पैसा बीमारी या जीवन के नुकसान की भरपाई कर सकता है?
- क्या आप किसी परमाणु संयंत्र के पास रहते हैं? यदि हाँ, तो आप इसके बारे में क्या सोचते हैं? यदि नहीं, तो आपके विचार से आपको कैसा महसूस हो सकता है?

समाचार कहानी 2

- आपके खयाल से इतने सारे लोग भारत छोड़कर मंगल ग्रह पर क्यों बसना चाहते हैं?
- क्या आपके विचार से मंगल ग्रह पर रहना कठिन होगा? क्यों?
- क्या आप मंगल ग्रह पर रहना पसंद करेंगे?
- आप कहाँ रहना पसंद करेंगे? क्यों?

इनमें से कुछ प्रश्न दूसरों से अधिक कठिन हैं। विभिन्न स्तरों के विद्यार्थियों के लिए कई प्रकार के प्रश्नों को शामिल करना एक अच्छी अवधारणा है। सभी विद्यार्थियों को उन प्रश्नों का उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए जो उन्हें सोचने के लिए प्रेरित करते हैं। विद्यार्थियों को इन प्रश्नों का उत्तर या तो बोलने या लिखने की गतिविधियों में दे सकते हैं। (चर्चा पर मार्गदर्शन के लिए देखें इकाई *अंग्रेजी में बोलने में सहायता करना: जोड़ी और समूहकार्य* और लिखने में विद्यार्थियों की मदद करने के बारे में अवधारणाओं के लिए देखें इकाइयाँ *अंग्रेजी में स्वतंत्र लेखन* में सहायता करना और *समग्र-कक्षा लेखन क्रिया–कलाप*)

संसाधन 4: समूहकार्य का उपयोग करना

समूहकार्य एक व्यवस्थित, सक्रिय, अध्यापन कार्यनीति है जो विद्यार्थियों के छोटे समूहों को एक आम लक्ष्य की प्राप्ति के लिए मिलकर काम करने को प्रोत्साहित करती है। ये छोटे समूह संरचित गतिविधियों के माध्यम से अधिक सक्रिय और अधिक प्रभावी अधिगम को बढ़ावा देते हैं।

समूहकार्य के लाभ

समूहकार्य विद्यार्थियों को सोचने, संवाद कायम करने, विचारों का आदान-प्रदान करने और निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित करके सीखने हेतु उन्हें प्रेरित करने का बहुत ही प्रभावी तरीका हो सकता है। आपके विद्यार्थी दूसरों को सिखा भी सकते हैं और उनसे सीख भी सकते हैं: यह जो सीखने का एक बेहद सशक्त और सक्रिय तरीका है।

समूहकार्य में विद्यार्थियों का समूहों में बैठना ही काफी नहीं होता है; इसमें स्पष्ट उद्देश्य के साथ सीखने के साझा कार्य पर काम करना और उसमें योगदान करना शामिल होता है। आपको इस बारे में स्पष्ट होना होगा कि आप सीखने के लिए सामूहिक कार्य का उपयोग क्यों कर रहे हैं और जानना होगा कि यह भाषण देने, जोड़े में कार्य या विद्यार्थियों के स्वयं कार्य करने से बेहतर क्यों है। इस तरह समूहकार्य को सुनियोजित और उद्देश्यपूर्ण होना आवश्यक है।

समूहकार्य का नियोजन करना

आप समूहकार्य का उपयोग कब और कैसे करेंगे यह इस बात पर निर्भर करेगा कि पाठ के अंत में आप अधिगम के किस लक्ष्य को पाना चाहते हैं। आप समूहकार्य को पाठ के आरंभ में, अंत में या बीच में शामिल कर सकते हैं, लेकिन आपको पर्याप्त समय का प्रावधान करना होगा। आपको उस कार्य के बारे में जो आप अपने विद्यार्थियों से पूरा करवाना चाहते हैं और समूहों को नियोजित करने के सर्वोत्तम ढंग के बारे में सोचना होगा।

एक अध्यापक के रूप में, आप समूहकार्य की सफलता सुनिश्चित कर सकते हैं यदि आप निम्न की योजना पहले ही बना लेते हैं।

- सामूहिक गतिविधि के लक्ष्य और अपेक्षित परिणाम
- किसी भी फीडबैक या सारांश कार्य सहित, गतिविधि के लिए आबंटित समय
- समूहों को कैसे विभाजित करना है (कितने समूह, प्रत्येक समूह में कितने छात्र, समूहों के लिए मापदंड)
- समूहों को कैसे नियोजित करना है (समूह के विभिन्न सदस्यों की भूमिका, आवश्यक समय, सामग्रियाँ, रिकार्ड करना और रिपोर्ट करना)
- कोई भी आकलन कैसे किया और रिकार्ड किया जाएगा (व्यक्तिगत आकलनों को सामूहिक आकलनों से अलग पहचानने का ध्यान रखें)
- समूहों की गतिविधियों पर आप कैसे निगरानी रखेंगे।

समूहकार्य के काम

वह काम जो आप अपने विद्यार्थियों से पूरा करने के लिए कहते हैं वह इस पर निर्भर होता है कि आप उन्हें क्या सिखाना चाहते हैं। समूहकार्य में भाग लेकर, वे एक-दूसरे को सुनने, अपने विचारों को समझाने और आपसी सहयोग से काम करने जैसे कौशल सीखेंगे। हालांकि, उनके लिए मुख्य लक्ष्य है जो विषय आप पढ़ा रहे हैं उसके बारे में कुछ सीखना। कार्यों के कुछ उदाहरणों में निम्नलिखित शामिल हो सकते हैं:

- **प्रस्तुतीकरण :** विद्यार्थी समूहों में काम करके शेष कक्षा के लिए प्रस्तुतीकरण तैयार कर सकते हैं। यह सबसे अधिक उपयोगी तब होता है जब प्रत्येक समूह के पास विषय का भिन्न पहलू होता है, जिससे वे एक ही विषय को कई बार सुनने की बजाय एक दूसरे की बात सुनने के लिए प्रेरित होते हैं। प्रस्तुतीकरण करने के लिए प्रत्येक समूह को दिये गये समय के बारे में प्रतिबद्ध रहें। अच्छे प्रस्तुतीकरण के लिए मापदंडों का एक सेट निश्चित करें। इन्हें पाठ से पहले बोर्ड पर लिखें। विद्यार्थी मापदंडों का उपयोग अपने प्रस्तुतीकरण की योजना बनाने और एक दूसरे के काम का आकलन करने के लिए कर सकते हैं। इन मापदंडों में निम्नलिखित शामिल हो सकते हैं:
    - क्या प्रस्तुतीकरण स्पष्ट था?
    - क्या प्रस्तुतीकरण सुसंरचित था?
    - क्या मैंने प्रस्तुतीकरण से कुछ सीखा?
    - क्या प्रस्तुतीकरण ने मुझे सोचने पर मजबूर किया?

- **समस्या को हल करना:** विद्यार्थी किसी समस्या या समस्याओं की एक शृंखला को हल करने के लिए समूहों में काम करते हैं। इसमें विज्ञान का कोई प्रयोग करना, गणित की समस्याएं हल करना, अंग्रेजी कहानी या कविता का विश्लेषण करना, या इतिहास के साक्ष्य का विश्लेषण करना शामिल हो सकता है।

- **कोई कलाकृति या उत्पाद तैयार करना :** विद्यार्थी समूहों में काम करके किसी कहानी, नाटक के भाग, संगीत के अंश, किसी अवधारणा को समझाने के लिए मॉडल, किसी मुद्दे पर समाचार रिपोर्ट या जानकारी का सारांश बनाने या अवधारणा को समझाने के लिए पोस्टर का विकास कर सकते हैं। समूहों को किसी नए विषय के आरंभ में मंथन करने या मस्तिष्क में रूपरेखा बनाने के लिए पाँच मिनट देने से आपको इस बारे में बहुत जानकारी मिलेगी कि उन्हें पहले से क्या पता है, और आपको पाठ को उपयुक्त स्तर पर स्थापित करने में सहायता मिलेगी।

- **विभेदित कार्य:** समूहकार्य विभिन्न आयु या दक्षता स्तरों के विद्यार्थियों को किसी उपयुक्त लक्ष्य हेतु मिलकर काम करने देने का अवसर है। उच्च दक्षता वाले विद्यार्थी काम को समझाने के अवसर से लाभ उठा सकते हैं, जबकि कम दक्षता वाले विद्यार्थियों के लिए कक्षा की बजाय समूह में प्रश्न पूछना अधिक आसान हो सकता है, और वे अपने सहपाठियों से सीखेंगे।

- **चर्चा:** विद्यार्थी किसी मुद्दे पर विचार करते हैं और एक निष्कर्ष पर पहुँचते हैं। इसके लिए आपको अपनी ओर से काफी तैयारी करनी होगी ताकि सुनिश्चित हो सके कि विभिन्न विकल्पों पर विचार करने के लिए विद्यार्थियों के पास पर्याप्त ज्ञान है, लेकिन चर्चा या वाद–विवाद का आयोजन आप के और उन के लिए बहुत उपयोगी हो सकता है।

समूहों का नियोजन करना

चार से आठ के समूह आदर्श होते हैं किंतु यह आपकी कक्षा, भौतिक पर्यावरण और फर्नीचर, तथा आपके विद्यार्थियों की दक्षता और उम्र के दायरे पर निर्भर करेगा। आदर्श रूप से समूह में हर एक के लिए एक दूसरे से मिलना, बिना चिल्लाए बात करना और समूह के परिणाम में योगदान करना आवश्यक होगा।

- तय करें कि आप विद्यार्थियों को समूहों में कैसे और क्यों विभाजित करेंगे; उदाहरण के लिए, आप समूहों को मित्रता, रुचि या समान अथवा मिश्रित दक्षता के अनुसार बाँट सकते हैं। भिन्न तरीकों से प्रयोग करें और समीक्षा करें कि प्रत्येक कक्षा के लिए क्या सर्वोत्तम है।
- योजना बनाएं कि आप समूह के सदस्यों को कौन सी भूमिकाएं देंगे (उदाहरण के लिए, नोट लेने वाला, प्रवक्ता, टाइम कीपर या उपकरणों का संग्रहकर्ता) और आप इसे कैसे स्पष्ट करेंगे।

समूहकार्य का प्रबंधन करना

आप अच्छे समूहकार्य के प्रबंधन के लिए क्रियाकलाप और नियम तय कर सकते हैं। जब आप नियमित रूप से समूहकार्य का उपयोग करते हैं, तो विद्यार्थियों को पता चल जाएगा कि आप क्या अपेक्षा करते हैं और वे कार्य करने में आनन्द का अनुभव करेंगे। टीमों और समूहों में काम करने के लाभों की पहचान करने के लिए आरंभ में कक्षा के साथ काम करना एक अच्छा विचार है। आपको चर्चा करनी चाहिए कि समूहकार्य में अच्छा व्यवहार क्या होता है और संभव हो तो 'नियमों' की एक सूची बनाएं जिसे प्रदर्शित किया जा सकता है; उदाहरण के लिए, 'एक दूसरे के लिए सम्मान', 'सुनना', 'एक दूसरे की सहायता करना', 'एक से अधिक विचार को आजमाना', आदि।

समूहकार्य के बारे में स्पष्ट मौखिक निर्देश देना महत्वपूर्ण है जिसे ब्लैकबोर्ड पर संदर्भ के लिए लिखा भी जा सकता है। आपको:

- अपनी योजना के अनुसार अपने विद्यार्थियों को उन समूहों की ओर निर्देशित करना होगा जिनमें वे काम करेंगे। ऐसा आप शायद कक्षा में उन स्थानों को निर्दिष्ट करके कर सकते हैं जहाँ वे काम करेंगे या किसी फर्नीचर या स्कूल बैगों को हटाने के बारे में अनुदेश देकर कर सकते हैं।
- कार्य के बारे में बहुत स्पष्ट होना चाहिए और उसे बोर्ड पर लघु अनुदेशों या चित्रों के रूप में लिखना चाहिए। अपने शुरू करने से पहले विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने की अनुमति प्रदान करें।

पाठ के दौरान, यह देखने और जाँच करने के लिए घूमें कि समूह किस तरह से काम कर रहे हैं। यदि वे कार्य से विचलित हो रहे हैं या अटक रहे हैं तो जहाँ जरूरत हो वहाँ सलाह प्रदान करें।

आप कार्य के दौरान समूहों को बदल सकते हैं। जब आप समूहकार्य के बारे में आत्मविश्वास महसूस करने लगें तब दो तकनीकें आजमाई जा सकती हैं – वे बड़ी कक्षा को प्रबंधित करते समय खास तौर पर उपयोगी होती हैं:

- **'विशेषज्ञ समूह':** प्रत्येक समूह को एक अलग कार्य दें, जैसे विद्युत उत्पन्न करने के एक तरीके पर शोध करना या किसी नाटक के लिए किरदार विकसित करना। एक उपयुक्त समय के बाद, समूहों को इस प्रकार पुनर्गठित करें कि प्रत्येक नया समूह सभी मूल समूहों से एक सदस्य (विशेषज्ञ) से युक्त हो। फिर उन्हें एक कार्य दें जिसमें सभी विशेषज्ञों की जानकारी को एकत्र करना होता है, जैसे निश्चय करना कि किस प्रकार का पॉवर स्टेशन बनाना या नाटक का अंश तैयार किया जाये।
- **'संदेशवाहक':** यदि कार्य में कोई चीज बनाना या किसी समस्या को हल करना शामिल है, तो कुछ समय बाद, प्रत्येक समूह से किसी अन्य समूह में एक संदेशवाहक को भेजने के लिए कहें। वे विचारों या समस्या के हलों की तुलना दूसरे समूहों के साथ करके फिर वापस अपने समूह में आ सकते हैं। इस प्रकार, समूह एक दूसरे से सीख सकते हैं।

कार्य के अंत में, जो कुछ सीखा गया है उसका सारांश बनाएं और आपको नज़र आई किसी भी गलतफहमी को सुधारें। आप चाहें तो प्रत्येक समूह का फीडबैक सुन सकते हैं, या केवल एक या दो समूहों से पूछ सकते हैं जिनके पास आपको लगता है कि कुछ अच्छे विचार हैं। विद्यार्थियों की रिपोर्ट करने की प्रक्रिया को संक्षिप्त रखें और उन्हें अन्य समूहों के काम पर फीडबैक देने को प्रोत्साहित करें जिसमें वे पहचान सकते हैं कि क्या अच्छा किया गया था, क्या बात दिलचस्प थी और किस बात को और विकसित किया जा सकता था।

यदि आप अपनी कक्षा में समूहकार्य को अपनाना चाहते हैं तो भी आपको कभी-कभी इसका नियोजन कठिन लग सकता है क्योंकि कुछ विद्यार्थी :

- सक्रिय अधिगम का प्रतिरोध करते हैं और उसमें शामिल नहीं होते
- हावी होने वाली प्रकृति के होते हैं
- अंतर्वैयक्तिक कौशलों की कमी या आत्मविश्वास के अभाव के कारण भाग नहीं लेते।

सीखने के परिणाम कहाँ तक प्राप्त हुए और आपके विद्यार्थियों ने कितनी अच्छी तरह से अनुक्रिया की (क्या वे सभी लाभान्वित हुए) इस पर विचार करने के अलावा, समूहकार्य के प्रबंधन में प्रभावी बनने के लिए उपरोक्त सभी बिंदुओं पर विचार करना महत्वपूर्ण होता है। सामूहिक कार्य, संसाधनों, समय या समूहों की रचना में आप द्वारा किए जा सकने वाले समायोजनों पर सावधानी से विचार करें और उनकी योजना बनाएं।

शोध से पता चला है कि विद्यार्थियों की उपलब्धि पर सकारात्मक प्रभाव पाने के लिए समूहों में सीखने का हर समय उपयोग करना आवश्यक नहीं है, इसलिए आपको हर पाठ में उसका उपयोग करने के लिए बाध्य महसूस नहीं करना चाहिए। आप चाहें तो समूहकार्य का उपयोग एक पूरक तकनीक के रूप में कर सकते हैं, उदाहरण के लिए विषय परिवर्तन के बीच अंतराल या कक्षा में चर्चा को अकस्मात शुरु करने के साधन के रूप में कर सकते हैं। इसका उपयोग विवाद को

हल करने या कक्षा में अनुभवजन्य शिक्षण गतिविधियाँ और समस्या का हल करने के अभ्यास शुरू करने या विषयों की समीक्षा करने के लिए भी किया जा सकता है।

संसाधन 5: अंग्रेजी कक्षा में अखबारों का उपयोग करना

अंग्रेजी भाषा के भारतीय ऑनलाइन अखबारों के लिए यहाँ कुछ लिंक्स प्रस्तुत हैं। वे चित्रों के लिए भी उपयोगी हो सकते हैं:

- *The Times of India*: http://timesofindia.indiatimes.com/
- *The Indian Express*: http://www.indianexpress.com/
- *Hindustan Times*: http://www.hindustantimes.com/
- NDTV: http://www.ndtv.com/
- The BBC also has news about India: http://www.bbc.co.uk/news/world/asia/india/

अंग्रेजी के विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए समाचार कहानियों के लिए लिंक्स यहाँ उपलब्ध हैं:

- BBC Learning English: http://www.bbc.co.uk/worldservice/learningenglish/
- 'Classroom materials': http://www.theguardian.com/education/series/classroom-materials

अंग्रेजी कक्षा में अखबारों का उपयोग करने के बारे में लेख:

- 'Teaching materials: using newspapers in the classroom 1': http://www.onestopenglish.com/support/methodology/teaching-materials/teaching-materials-using-newspapers-in-the-classroom-1/146510.article
- 'Using news articles': http://www.teachingenglish.org.uk/articles/using-news-articles

संसाधन 6: परियोजना के लिए एक अवधारणा – अंग्रेजी में कक्षा का अखबार

विद्यार्थियों के लिए एक संभावित दीर्घावधि लेखन परियोजना कक्षा (या स्कूल) का अखबार बनाना है। सुनिश्चित करें कि परियोजना का उद्देश्य और संभावित परिणाम विद्यार्थियों को समझाए जाएं – या मिलकर तय किए जायं। वे योजना पर चर्चा और उपलब्ध अखबारों का विश्लेषण करके अखबार की विभिन्न गतिविधियाँ और सामग्री तय कर सकते हैं। विद्यार्थी काम को आपस में आबंटित करें और तय करें कि कौन:

- साक्षात्कार करेगा
- त्यौहारों, दुर्घटनाओं आदि जैसी घटनाओं को रिपोर्ट करेगा
- समाचार ड्राफ्ट लिखेगा
- समाचारों का संपादन करेगा
- अखबार के अंतिम रूप को हाथ से लिखेगा या कम्प्यूटर का उपयोग करके छापेगा।

वे डेटा एकत्र करने और दी गई समय सीमा में अखबार को विकसित करने के लिए काम करते हैं। अखबार को दृष्टांतों, चित्रों आदि के साथ प्रकाशित और स्कूल या स्थानीय क्षेत्र में वितरित किया जाना चाहिए।

संसाधन 7: परियोजना की अवधारणा – अंग्रेजी में टीवी कथानक लिखना

आपके विद्यार्थियों द्वारा टीवी प्रकरण के लिए कथानक लिख चुकने के बाद, उन्हें प्रकरण के लिए अंग्रेजी में कथानक (या कथानक का अंश) लिखने का प्रयास करना चाहिए। फिर विद्यार्थियों को कक्षा, या स्कूल की अन्य कक्षाओं के समक्ष अपने कथानकों को अदा करना चाहिए।

संसाधन 8: अंग्रेजी भाषा पढ़ाने के लिए टेलिविजन का उपयोग करना

The TeachingEnglish वेबसाइट में कक्षा में टेलिविजन के बारे में बातचीत करने के विषय में एक संसाधन है: https://www.teachingenglish.org.uk/language-assistant/essential-uk/reality-tv

आप चाहें तो दूरदर्शन, या टाटा स्काई पर दर्शकों की अंग्रेजी सुधारने के लिए लक्षचित टेलीविजन कार्यक्रम (उदा. एक्टिव इंगलिश) भी देख सकते हैं।

संसाधन 9: अंग्रेजी भाषा के अध्यापन के लिए रेडियो कार्यक्रम

आकाशवाणी द्वारा हर महीने के चौथे शुक्रवार को रात 10 बजे अंग्रेजी में एक राष्ट्रीय कार्यक्रम का प्रसारण किया जाता है।

ब्रिटिश कौंसिल इंडिया ने भारत में अंग्रेजी शिक्षकों के लिए 15–15 मिनट के 12 रेडियो प्रकरणों, की एक श्रृंखला का निर्माण किया है। वे प्राथमिक और माध्यमिक स्कूल के शिक्षकों के लिए विद्यार्थी को महत्व देने वाले तरीकों का विकास करने पर संकेंद्रित हैं: http://www.britishcouncil.in/teach/teachingenglish-radio-india

अतिरिक्त संसाधन

- 'Critical thinking': http://education.alberta.ca/teachers/aisi/themes/critical-thinking.aspx
- 'Creative and critical thinking in language classrooms': http://iteslj.org/Techniques/Kabilan-CriticalThinking.html
- 'Using the board': http://www.teachingenglish.org.uk/articles/using-board
- 'Articles on resources': http://www.teachingenglish.org.uk/articles/resources
- 'EFL lesson plan': http://film-english.com/tag/efl-lesson-plan/
- 'High school teachers': http://www.criticalthinking.org/pages/high-school-teachers/807
- 'Kudankulam: India nuclear plant begins operating': http://www.bbc.co.uk/news/world-asia-india-24619985
- BBC News: In pictures: http://www.bbc.co.uk/news/in_pictures/
- BBC Learning English: http://www.bbc.co.uk/worldservice/learningenglish/

संदर्भ/संदर्भग्रंथ सूची

Alberta Education (undated) 'Critical thinking' (online). Available from: http://education.alberta.ca/teachers/aisi/themes/critical-thinking.aspx (accessed 2 January 2014).

BBC (2013) 'Kudankulam: India nuclear plant begins operating' (online), BBC, 22 October. Available from: http://www.bbc.co.uk/news/world-asia-india-24619985 (accessed 23 December 2013).

BBC Learning English, http://www.bbc.co.uk/worldservice/learningenglish/ (accessed 18 September 2014).

BBC News: India, http://www.bbc.co.uk/news/world/asia/india/ (accessed 19 September 2014).

BBC News: In pictures, http://www.bbc.co.uk/news/in_pictures/ (accessed 19 September 2014).

British Council (undated) 'TeachingEnglish Radio India' (online). Available from: http://www.britishcouncil.in/teach/teachingenglish-radio-india (accessed 18 September 2014).

Clandfield, L. and Floord, D. (undated) 'Teaching materials: using newspapers in the classroom 1' (online), onestopenglish. Available from: http://www.onestopenglish.com/support/methodology/teaching-materials/teaching-materials-using-newspapers-in-the-classroom-1/146510.article (accessed 2 January 2014).

The Critical Thinking Community (undated) 'High school teachers' (online). Available from: http://www.criticalthinking.org/pages/high-school-teachers/807 (accessed 2 January 2014).

Film English (2013) 'EFL lesson plan' (online). Available from: http://film-english.com/tag/efl-lesson-plan/ (accessed 2 January 2014).

Flickr (undated) 'eltpics' (online). Available from: http://www.flickr.com/photos/eltpics (accessed 2 January 2014).

Free ESL Flashcards, http://www.eslflashcards.com/ (accessed 17 September 2014).

The Guardian (undated) 'Classroom materials' (online). Available from: http://www.theguardian.com/education/series/classroom-materials (accessed 2 January 2014).

The Guardian (undated) 'In pictures' (online). Available from: http://www.theguardian.com/inpictures (accessed 2 January 2014).

Hindustan Times, http://www.hindustantimes.com/ (accessed 2 January 2014).

The Indian Express, http://www.indianexpress.com/ (accessed 2 January 2014).

Kabilan, M.K. (2000) 'Creative and critical thinking in language classrooms' (online), The Internet TESL Journal, vol. 6, no. 6, June. Available from: http://iteslj.org/Techniques/Kabilan-CriticalThinking.html (accessed 2 January 2014).

MacErland, S. and Peyton, V. (undated) 'A teacher's guide to blackboard drawing' (online), Working Papers in Development, VSO. Available from: http://www.kau.edu.sa/GetFile.aspx?id=171130&fn=BLACKBOARD%20DRAWING.pdf (accessed 23 October 2014).

NCERT (2006) *National Focus Group on Teaching of English Position Paper* (online), New Delhi, NCERT. Available from http://www.ncert.nic.in/new_ncert/ncert/rightside/links/pdf/focus_group/english.pdf (accessed 23 December 2013).

NDTV, http://www.ndtv.com/ (accessed 2 January 2014).

rediff.com (2011) 'Amul ads in 2011: must-see hits!' (online), 8 June. Available from: http://www.rediff.com/business/slide-show/slide-show-1-amul-ads-in-2011-must-see-hits/20110608.htm (accessed 2 January 2014).

Richards, J.C. (undated) 'The role of text books in a language program' (online), Cambridge University Press. Available from http://www.cambridge.org.br/authors-articles/articles?id=337 (accessed 23 December 2013).

TeachingEnglish (undated) 'Articles on resources' (online). Available from: http://www.teachingenglish.org.uk/articles/resources (accessed 2 January 2014).

TeachingEnglish (2004) 'Using flash cards with young learners' (online), 24 February. Available from: http://www.teachingenglish.org.uk/article/using-flash-cards-young-learners (accessed 2 January 2014).

TeachingEnglish (2010a) 'Using news articles' (online), 8 January. Available from: http://www.teachingenglish.org.uk/articles/using-news-articles (accessed 2 January 2014).

TeachingEnglish (2010b) 'Using the board' (online), 17 March. Available from: http://www.teachingenglish.org.uk/articles/using-board (accessed 2 January 2014).

TeachingEnglish (2011) 'Reality TV' (online), 26 January. Available from: https://www.teachingenglish.org.uk/language-assistant/essential-uk/reality-tv (accessed 18 September 2014).

TeachingEnglish (2012a) 'How to draw animals' (online). Available from: http://www.teachingenglish.org.uk/tips/how-draw-animals (accessed 2 January 2014).

TeachingEnglish (2012b) 'How to draw cats, dogs and birds' (online). Available from: http://www.teachingenglish.org.uk/tips/how-draw-cats-dogs-birds (accessed 2 January 2014).

The Times of India, http://timesofindia.indiatimes.com/ (accessed 2 January 2014).

The Times of India (2013) 'Over 20,000 Indians apply for one-way trip to Mars' (online), 11 December. Available at http://timesofindia.indiatimes.com/india/Over-20000-Indians-apply-for-one-way-trip-to-Mars/articleshow/27216167.cms (accessed 23 December 2013).

Westbrook, J., Brown, R., Orr, D., Pryor, J., Boddy, J. and Salvi, F. (2013) *Pedagogy, Curriculum, Teaching Practices and Teacher Education in Developing Countries, Education Rigorous Literature Review*. London: DFID Research for Development Series. Available from: http://r4d.dfid.gov.uk/Output/195891/ (accessed 17 September 2014).

Wikipedia (2013) '*Malgudi Days* (TV Series)' (online), 15 November. Available from http://en.wikipedia.org/wiki/Malgudi_Days_(TV_series) (accessed 23 December 2013).

अभिस्वीकृतियाँ

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है (http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/)। नीचे दी गई सामग्री मालिकाना हक की है तथा इस परियोजना के लिए लाइसेंस के अंतर्गत ही उपयोग की गई है, तथा इसका Creative Commons लाइसेंस से कोई वास्ता नहीं है। इसका अर्थ यह है कि इस सामग्री का उपयोग अननुकूलित रूप से केवल TESS-India परियोजना के भीतर किया जा सकता है और किसी भी बाद के OER संस्करणों में नहीं। इसमें TESS-India, OU और UKAID लोगो का उपयोग भी शामिल है।

इस यूनिट में सामग्री को पुनः प्रस्तुत करने की अनुमति के लिए निम्न स्रोतों का कृतज्ञतापूर्ण आभार:

चित्र 1: पुस्तकों के आवरण © प्रकाशक, फोटो किम ऐशमोर द्वारा। (Figure 1: book covers © publishers, photo by Kim Ashmore.)

चित्र 2: [Figure 2:] वीकिमीडिया में शनन कुमार निम्न के अंतर्गत उपलब्ध कराया गया http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/deed.en। (Shanan Kumar in Wikimedia made available under http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/deed.en.)

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टल्सि सहित): भारत भर के उन अध्यापक शिक्षकों, मुख्याध्यापकों, अध्यापकों और विद्यार्थियों के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन यूनिवर्सिटी के साथ काम किया है।